PAPER-II
HINDI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________

(In words)

J	2	0	1	6

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

हिन्दी

प्रश्नपत्र – II

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. ‘ण’ वर्ण का उच्चारण स्थान है :

(1) तालु (2) मूर्धा

(3) वर्त्स (4) कंठ

2. आगम वे अ पुराणे, पंडित मान बहंति ।
पक्क सिरिफल अलि अ जिम वाहेरित भ्रमयंति ।।
ये काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं ?

(1) सरहपा (2) कण्हपा

(3) डोम्भिपा (4) कुक्कुरिपा

3. सूर समाना चंद में दहूँ किया घर एक ।
मन का चिंता तब भया कछू पुरबिला लेख ।।
इन पंक्तियों के रचनाकार हैं :

(1) तुलसीदास (2) सुन्दरदास

(3) दादूदयाल (4) कबीरदास

4. द्वैतवाद के प्रणेता हैं :

(1) मध्वाचार्य (2) वल्लभाचार्य

(3) रामानुजाचार्य (4) रामानंद

5. ‘रौजतुल हकायक’ के रचयिता हैं :

(1) शेख नबी (2) कासिम शाह

(3) नूर मुहम्मद (4) उसमान

6. इनमें से किस कवि ने प्रबंधात्मक वीर काव्य की भी रचना की है ?

(1) ग्वाल कवि (2) रामसहाय दास

(3) पद्माकर भट्ट (4) सम्मन

7. इनमें से किस कवि ने सतसई की रचना नहीं की है ?

(1) रसनिधि (2) वृन्द

(3) भूपति (4) बेनी ‘प्रवीन’

8. ‘भ्रमरदूत’ के रचनाकार हैं :

(1) सत्यनारायण कविरत्न (2) लाला भगवानदीन

(3) जगन्नाथदास रत्नाकर (4) राय देवीप्रसाद ‘पूर्ण’

9. काम मंगल से मंडित श्रेय
सर्ग इच्छा का है परिणाम;
तिरस्कृत कर उसको तुम भूल
बनाते हो असफल भवधाम ।

उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ ‘कामायनी’ के किस सर्ग की हैं ?

(1) वासना (2) काम

(3) श्रद्धा (4) लज्जा

10. निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद का कौन-सा नाटक कल्हण की ‘राजतरंगिणी’ पर आधारित है ?

(1) राज्यश्री (2) विशाख

(3) जनमेजय का नागयज्ञ (4) अजातशत्रु

11. ‘मुड़ मुड़ कर देखता हूँ’ किसकी आत्मकथा है ?

(1) राजेन्द्र यादव (2) भीष्म साहनी

(3) रवीन्द्र कालिया (4) कमलेश्वर

12. ‘मणिकर्णिका’ के लेखक हैं :

(1) ओम प्रकाश वाल्मीकि (2) डॉ. धर्मवीर

(3) तुलसीराम (4) सूरजपाल चौहान

13. ‘महाकाल’ उपन्यास के लेखक हैं :

(1) अमृतराय (2) अमृतलाल नागर

(3) विष्णु प्रभाकर (4) उदयशंकर भट्ट

14. ‘कामरेड का कोट’ कहानी के लेखक हैं :

(1) विनोदकुमार शुक्ल (2) अखिलेश

(3) ज्ञानरंजन (4) सृंजय

15. भारतेन्दु हरिश्चंद्र के निम्नलिखित रूपकों में से ‘भाण’ कौन-सा है ?

(1) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (2) विषस्य विषमौषधम्

(3) भारत दुर्दशा (4) नीलदेवी

16. 'सूरदास जब अपने प्रिय विषय का वर्णन शुरू करते हैं तो मानो अलंकारशास्त्र हाथ जोड़कर उनके पीछे-पीछे दौड़ा करता है । उपमाओं की बाढ़ आ जाती है, रूपकों की वर्षा होने लगती है ।'

उपर्युक्त कथन किस आलोचक का है ?

(1) हजारीप्रसाद द्विवेदी (2) रामचंद्र शुक्ल

(3) नंददुलारे वाजपेयी (4) हरबंशलाल शर्मा

17. भरत मुनि के रस सूत्र के व्याख्याता भट्टनायक के सिद्धांत का नाम है :

(1) अनुमितिवाद (2) उत्पत्तिवाद

(3) भुक्तिवाद (4) अभिव्यक्तिवाद

18. वक्रोक्ति सिद्धांत के प्रवर्तक आचार्य हैं :

(1) कुंतक (2) विश्वनाथ

(3) भामह (4) आनंदवर्द्धन

19. अभिव्यंजनावादी सिद्धांत के प्रवर्तक हैं :

(1) कॉलरिज (2) क्रोचे

(3) टी.एस.इलियट (4) मैथ्यू आर्नल्ड

20. 'प्रेमचंद और उनका युग' के लेखक हैं :

(1) हंसराज रहबर (2) इन्द्रनाथ मदान

(3) नन्ददुलारे वाजपेयी (4) रामविलास शर्मा

21. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) पुष्पदंत, अद्दहमाण, स्वयंभू, हेमचंद्र (2) अद्दहमाण, हेमचंद्र, स्वयंभू, पुष्पदंत

(3) स्वयंभू, पुष्पदंत, अद्दहमाण, हेमचंद्र (4) हेमचंद्र, स्वयंभू, पुष्पदंत, अद्दहमाण

22. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) बिहारी, देव, भिखारीदास, पद्माकर (2) देव, बिहारी, पद्माकर, भिखारीदास

(3) भिखारीदास, देव, बिहारी, पद्माकर (4) भिखारीदास, बिहारी, देव, पद्माकर

23. जन्मकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) हरिवंशराय बच्चन, नरेन्द्र शर्मा, रामेश्वर शुक्ल अंचल, गोपालसिंह नेपाली

(2) नरेन्द्र शर्मा, रामेश्वर शुक्ल अंचल, हरिवंशराय बच्चन, गोपालसिंह नेपाली

(3) रामेश्वर शुक्ल अंचल, हरिवंशराय बच्चन, गोपालसिंह नेपाली, नरेन्द्र शर्मा

(4) गोपालसिंह नेपाली, हरिवंशराय बच्चन, नरेन्द्र शर्मा, रामेश्वर शुक्ल अंचल

24. मैथिलीशरण गुप्त की निम्नलिखित काव्यकृतियों का सही अनुक्रम है :

(1) यशोधरा, द्वापर, पंचवटी, साकेत
(2) पंचवटी, साकेत, यशोधरा, द्वापर
(3) द्वापर, यशोधरा, पंचवटी, साकेत
(4) साकेत, यशोधरा, द्वापर, पंचवटी

25. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित काव्य-संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(1) जमीन पक रही है, अभी बिल्कुल अभी, बाघ, उत्तर कबीर और अन्य कविताएं
(2) बाघ, जमीन पक रही है, उत्तर कबीर और अन्य कविताएं, अभी बिल्कुल अभी
(3) अभी बिल्कुल अभी, जमीन पक रही है, उत्तर कबीर और अन्य कविताएं, बाघ
(4) जमीन पक रही है, बाघ, अभी बिल्कुल अभी, उत्तर कबीर और अन्य कविताएं

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :

(1) कोणार्क, नारद की वीणा, अंधा कुआँ, बकरी
(2) नारद की वीणा, कोणार्क, अंधा कुआँ, बकरी
(3) अंधा कुआँ, बकरी, कोणार्क, नारद की वीणा
(4) बकरी, कोणार्क, अंधा कुआँ, नारद की वीणा

27. प्रकाशन वर्ष के अनुसार फणीश्वरनाथ रेणु के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) परती परिकथा, दीर्घतप, जुलूस, पल्टू बाबू रोड
(2) दीर्घतप, जुलूस, पल्टू बाबू रोड, परती परिकथा
(3) जुलूस, दीर्घतप, पल्टू बाबू रोड, परती परिकथा
(4) पल्टू बाबू रोड, परती परिकथा, दीर्घतप, जुलूस

28. रमेशचन्द्र शाह के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) किस्सा गुलाम, पूर्वापर, विनायक, गोबर गणेश
(2) पूर्वापर, विनायक, किस्सा गुलाम, गोबर गणेश
(3) गोबर गणेश, पूर्वापर, विनायक, किस्सा गुलाम
(4) गोबर गणेश, किस्सा गुलाम, पूर्वापर, विनायक

29. प्रकाशन वर्ष के अनुसार उषा प्रियंवदा के उपन्यासों का सही अनुक्रम है :

(1) पचपन खंभे लाल दीवारें, रुकोगी नहीं राधिका, अंतर्वंशी, शेष यात्रा
(2) अंतर्वंशी, पचपन खंभे लाल दीवारें, शेष यात्रा, रुकोगी नहीं राधिका
(3) पचपन खंभे लाल दीवारें, रुकोगी नहीं राधिका, शेष यात्रा, अंतर्वंशी
(4) शेष यात्रा, पचपन खंभे लाल दीवारें, रुकोगी नहीं राधिका, अंतर्वंशी

30. लेखन-काल के अनुसार निम्नलिखित पाश्चात्य आलोचकों का सही अनुक्रम है :

(1) वर्ड्सवर्थ, क्रोचे, टी.एस. इलियट, आई.ए.रिचर्ड्स

(2) आई. ए. रिचर्ड्स, वर्ड्सवर्थ, क्रोचे, टी.एस. इलियट

(3) टी.एस. इलियट, क्रोचे, वर्ड्सवर्थ, आई.ए. रिचर्ड्स

(4) क्रोचे, आई.ए. रिचर्ड्स, वर्ड्सवर्थ, टी.एस. इलियट

31. निम्नलिखित पात्रों को सम्बद्ध काव्य ग्रंथों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	चंदा	(i)	बीसलदेव रासो
(b)	नागमती	(ii)	चंदायन
(c)	राजमती	(iii)	ढोला-मारू रा दूहा
(d)	मालवणी	(iv)	पृथ्वीराज रासो
		(v)	पद्मावत

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(v)	(i)	(iii)
(2)	(iv)	(iii)	(v)	(ii)
(3)	(v)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(ii)	(v)	(iv)	(i)

32. निम्नलिखित रचनाकारों को उनके आश्रयदाता राजाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	चंदबरदाई	(i)	छत्रसाल
(b)	बिहारी	(ii)	परमाल
(c)	जगनिक	(iii)	जयसिंह
(d)	भूषण	(iv)	पृथ्वीराज चौहान
		(v)	बीसलदेव

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

33. निम्नलिखित काव्यकृतियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I		**सूची - II**	
(a)	मुक्तिप्रसंग	(i)	लीलाधर जगूड़ी
(b)	खुशबू के शिलालेख	(ii)	रामधारी सिंह 'दिनकर'
(c)	अनुभव के आकाश में चाँद	(iii)	राजकमल चौधरी
(d)	रेणुका	(iv)	नरेश सक्सेना
		(v)	भवानीप्रसाद मिश्र

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(v)	(iv)	(iii)	(i)
(2)	(iii)	(v)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(v)

34. निम्नलिखित काव्यकृतियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I		**सूची - II**	
(a)	आत्मजयी	(i)	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
(b)	खूँटियों पर टँगे लोग	(ii)	श्रीकांत वर्मा
(c)	मगध	(iii)	राजेश जोशी
(d)	पहाड़ पर लालटेन	(iv)	कुँवर नारायण
		(v)	मंगलेश डबराल

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(v)
(2)	(v)	(iii)	(iv)	(ii)
(3)	(iii)	(iv)	(v)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(v)

35. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I		**सूची - II**	
(a)	पराधीन रहकर अपना सुख शोक न कह सकता है । वह अपमान जगत में केवल पशु ही सह सकता है ।	(i)	मैथिलीशरण गुप्त
(b)	धरती हिल कर नींद भगा दे । वज्रनाद से व्योम जगा दे । दैव, और कुछ लाग लगा दे ।	(ii)	जगन्नाथदास रत्नाकर
(c)	दिवस का अवसान समीप था गगन था कुछ लोहित हो चला ।	(iii)	नाथूराम शर्मा शंकर
(d)	भेजे मनभावन के ऊधव के आवन की, सुधि ब्रज-गाँवनि मैं पावन जबै लगीं ।	(iv)	रामनरेश त्रिपाठी
		(v)	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(v)	(ii)
(2)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(3)	(v)	(i)	(iii)	(ii)
(4)	(ii)	(v)	(iv)	(iii)

36. जयशंकर प्रसाद के नाट्यगीतों को उनके नाटकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I		**सूची - II**	
(a)	आह वेदना मिली विदाई, मैंने भ्रमवश जीवन संचित मधुकरियों की भीख लुटाई ।	(i)	अजातशत्रु
(b)	यौवन तेरी चंचल छाया इसमें बैठ घूँट भर पी लूँ जो रस तू है लाया ।	(ii)	ध्रुवस्वामिनी
(c)	कैसी कड़ी रूप की ज्वाला पड़ता है पतंग-सा इसमें मन हो कर मतवाला ।	(iii)	स्कंदगुप्त
(d)	स्वर्ग है नहीं दूसरा और सज्जन हृदय परम करुणामय यही एक है ठौर ।	(iv)	कामना
		(v)	चन्द्रगुप्त

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(i)	(iv)	(v)	(iii)
(3)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(4)	(v)	(i)	(iii)	(iv)

37. निम्नलिखित निबंध संग्रहों को उनके लेखकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I		**सूची - II**	
(a)	आस्था और सौंदर्य	(i)	निर्मल वर्मा
(b)	अपनी अपनी बीमारी	(ii)	विद्यानिवास मिश्र
(c)	कला का जोखिम	(iii)	रामविलास शर्मा
(d)	तमाल के झरोखे से	(iv)	हरिशंकर परसाई
		(v)	बालमुकुंद गुप्त

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(v)	(iii)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(iv)	(ii)	(v)	(i)
(4)	(v)	(iii)	(i)	(ii)

38. निम्नलिखित उपन्यासों को उनमें चित्रित गाँवों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	रागदरबारी	(i)	गंगौली
(b)	आधा गाँव	(ii)	बेलारी
(c)	मैला आँचल	(iii)	लखनपुर
(d)	गोदान	(iv)	मेरीगंज
		(v)	शिवपालगंज

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(i)	(iii)	(v)	(iv)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(v)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

39. निम्नलिखित संप्रदायों को उनके आचार्यों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	औचित्य	(i)	भरत मुनि
(b)	वक्रोक्ति	(ii)	आनन्दवर्द्धन
(c)	ध्वनि	(iii)	भामह
(d)	रस	(iv)	क्षेमेन्द्र
		(v)	कुन्तक

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(4)	(iv)	(v)	(ii)	(i)

40. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	चर्च एण्ड स्टेट	(i)	मैथ्यू आर्नल्ड
(b)	लिटरेचर एंड ड्रामा	(ii)	होरेस
(c)	द फाउंडेशन ऑफ एस्थेटिक्स	(iii)	कॉलरिज
(d)	आर्स पोएतिका	(iv)	विलियम वर्ड्सवर्थ
		(v)	आई.ए. रिचर्ड्स

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(v)	(i)	(iii)
(2)	(iii)	(i)	(v)	(ii)
(3)	(v)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(i)	(iv)	(ii)	(v)

निर्देश : प्रश्न संख्या **41** से **45** तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं । इनमें से एक स्थापना (A) है और दूसरा तर्क (R) है । कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए ।

41. **स्थापना (Assertion) (A) :** परंपरा आधुनिकता की विरोधी है ।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि परंपरा पुरातनता को पोषित कर भविष्य का मार्ग अवरुद्ध करती है ।

(1) (A) गलत (R) गलत (2) (A) गलत (R) सही

(3) (A) सही (R) सही (4) (A) सही (R) गलत

42. **स्थापना (Assertion) (A) :** मिथक विगत का आलेख है जिसका संबंध केवल धर्म और इतिहास से है ।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए मिथक का प्रयोजन केवल सामाजिक व्यवस्था के संरक्षण और संचालन से है, रचनात्मक स्वतंत्रता से नहीं ।

(1) (A) गलत (R) गलत (2) (A) गलत (R) सही

(3) (A) सही (R) सही (4) (A) सही (R) गलत

43. **स्थापना (Assertion) (A) :** धर्म और विज्ञान की तरह साहित्य में प्रतीक एक निश्चित अर्थ का प्रतिपादक होता है ।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए रचनात्मक स्तर पर साहित्यिक प्रतीक के संबंध में पाठक और प्रयोक्ता के बीच मतभेद नहीं हो सकता ।

(1) (A) सही (R) गलत (2) (A) गलत (R) सही

(3) (A) सही (R) सही (4) (A) गलत (R) गलत

44. **स्थापना (Assertion) (A) :** काव्य के संदर्भ में 'काव्यानुभूति', 'रसानुभूति' और 'सौंदर्यानुभूति' का उल्लेख प्राय: समान अर्थ में किया जाता है ।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि सच्ची काव्यानुभूति भावानुभूति से ही सम्पृक्त होती है, जीवन की यथार्थ अनुभूति से नहीं ।

(1) (A) गलत (R) सही (2) (A) गलत (R) गलत

(3) (A) सही (R) गलत (4) (A) सही (R) सही

45. **स्थापना (Assertion) (A) :** विरुद्धों का सामंजस्य कर्मक्षेत्र का सौंदर्य है जिसकी ओर आकर्षित हुए बिना मनुष्य का हृदय नहीं रह सकता ।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि विरुद्धों का सामंजस्य चमत्कृत करता है और यही लोकधर्म का सौंदर्य है ।

(1) (A) गलत (R) गलत (2) (A) सही (R) सही

(3) (A) गलत (R) सही (4) (A) सही (R) गलत

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उससे सम्बन्धित प्रश्नों (प्रश्न संख्या **46** से **50**) के दिए गए बहुविकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

श्रद्धा द्वारा हम दूसरे के महत्त्व के किसी अंश के अधिकारी नहीं हो सकते, पर भक्ति द्वारा हो सकते हैं । श्रद्धालु महत्त्व को स्वीकार करता है, पर भक्त महत्त्व की ओर अग्रसर होता है । श्रद्धालु अपने जीवन-क्रम को ज्यों का त्यों छोड़ता है ; पर भक्त उनकी काट-छाँट में लग जाता है । अपने आचरण द्वारा दूसरों की भक्ति के अधिकारी होकर ही संसार के बड़े-बड़े महात्मा समाज के कल्याण-साधन में समर्थ हुए हैं । गुरु गोविन्द सिंह को यदि केवल दण्डवत् करने वाले और गद्दी पर भेंट चढ़ाने वाले श्रद्धालु ही मिलते, दिन रात साथ रहने वाले - अपने सारे जीवन को अर्पित करने वाले - भक्त न मिलते तो वे अन्याय - दमन में कभी समर्थ न होते । इससे भक्ति के सामाजिक महत्त्व को, इसकी लोक-हितकारिणी शक्ति को स्वीकार करने में किसी को आगा-पीछा नहीं हो सकता । सामाजिक महत्त्व के लिए आवश्यक है कि या तो आकर्षित करो या आकर्षित हो । जैसे इस आकर्षण-विधान के बिना अणुओं द्वारा व्यक्त पिण्डों का आविर्भाव नहीं हो सकता, वैसे ही मानव-जीवन की विशद् अभिव्यक्ति भी नहीं हो सकती ।

46. हम दूसरे के महत्त्व के अधिकारी कैसे हो सकते हैं ?

(1) श्रद्धा द्वारा
(2) आचरण द्वारा
(3) आस्था द्वारा
(4) भक्ति द्वारा

47. महात्मा अन्याय का दमन करने में कैसे समर्थ होते हैं ?

(1) लोक कल्याण साधना में सब कुछ समर्पित करने वाले भक्तों के सहयोग से
(2) भेंट चढ़ाने वाले भक्तों की दक्षिणा से
(3) श्रद्धालुओं के सहयोग से
(4) दण्डवत् करने वाले भक्तों के सहयोग से

48. समाज कल्याण संभव हो पाता है, यदि :

(1) अपना आचरण ठीक-ठाक होता है
(2) दूसरों का आचरण ठीक होता है
(3) ऐसा आचरण हो कि दूसरे आप के प्रति भक्ति रखें
(4) दिन रात काम करते रहें

49. भक्ति के सामाजिक महत्त्व का अभिप्राय है :

(1) लोक-हित कारिणी शक्ति को अस्वीकार करना
(2) समाज के प्रति आकर्षित होना
(3) भक्त को सर्वोपरि मानना
(4) लोक-हितकारिणी शक्ति को स्वीकार करना

50. मानव जीवन की सार्थक और व्यापक अभिव्यक्ति के लिए आवश्यक है :

(1) आकर्षण विधान
(2) सामाजिक लगाव
(3) पिण्डों का आविर्भाव
(4) अणुओं का अस्तित्व

Space For Rough Work

उत्तरमाला

1. (B)	2. (A)	3. (D)	4. (A)	5. (C)	6. (C)	7. (D)	8. (A)	9. (C)	10. (B)
11. (A)	12. (C)	13. (B)	14. (D)	15. (B)	16. (D)	17. (C)	18. (A)	19. (B)	20. (D)
21. (C)	22. (A)	23. (A)	24. (B)	25. (C)	26. (A)	27. (A)	28. (D)	29. (C)	30. (A)
31. (A)	32. (C)	33. (B)	34. (D)	35. (A)	36. (C)	37. (B)	38. (A)	39. (D)	40. (B)
41. (B)	42. (C)	43. (A)	44. (B)	45. (B)	46. (D)	47. (A)	48. (C)	49. (D)	50. (A)